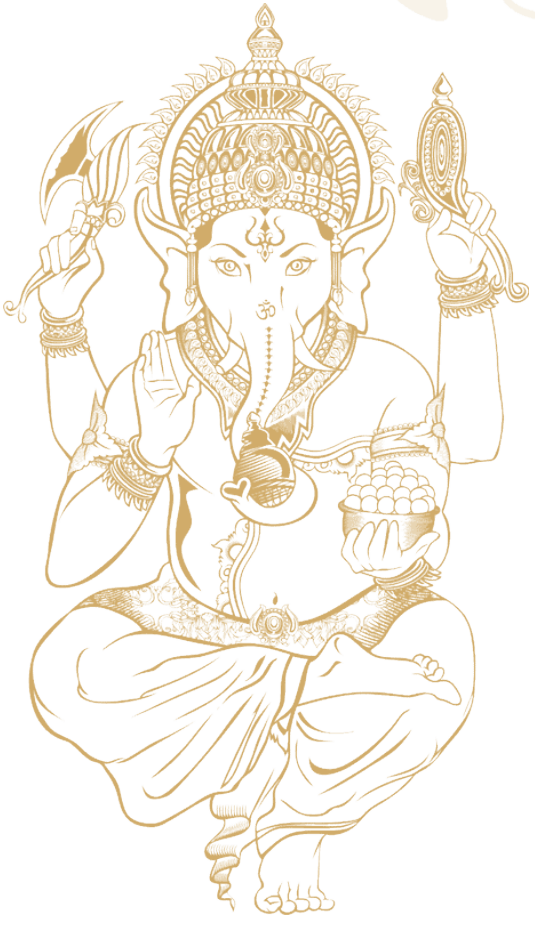

Pratham kanchal

28 Aug 2014

11:54 AM

Ayodhya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121769502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/08/2014**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:54:00 घंटे**
इष्ट	15:37:58 घटी
स्थान	**Ayodhya**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:47:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:52:48 घंटे
वेलान्तर	-00:01:19 घंटे
साम्पातिक काल	10:18:24 घंटे
सूर्योदय	05:38:48 घंटे
सूर्यास्त	18:25:38 घंटे
दिनमान	12:46:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:49:37 सिंह
लग्न के अंश	02:35:52 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:35:52	309:51:35	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	10:49:37	00:57:58	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	10:12:10	12:04:11	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	25:08:45	00:37:42	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			सिंह	28:08:14	01:37:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	15:19:02	00:12:37	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	25:30:51	01:13:54	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि			तुला	23:45:11	00:03:34	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		कन्या	25:51:08	00:02:16	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	25:51:08	00:02:16	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	21:54:41	00:01:39	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	12:09:29	00:01:39	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	17:05:37	00:00:44	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	08:34:37	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:50

लग्न-चलित

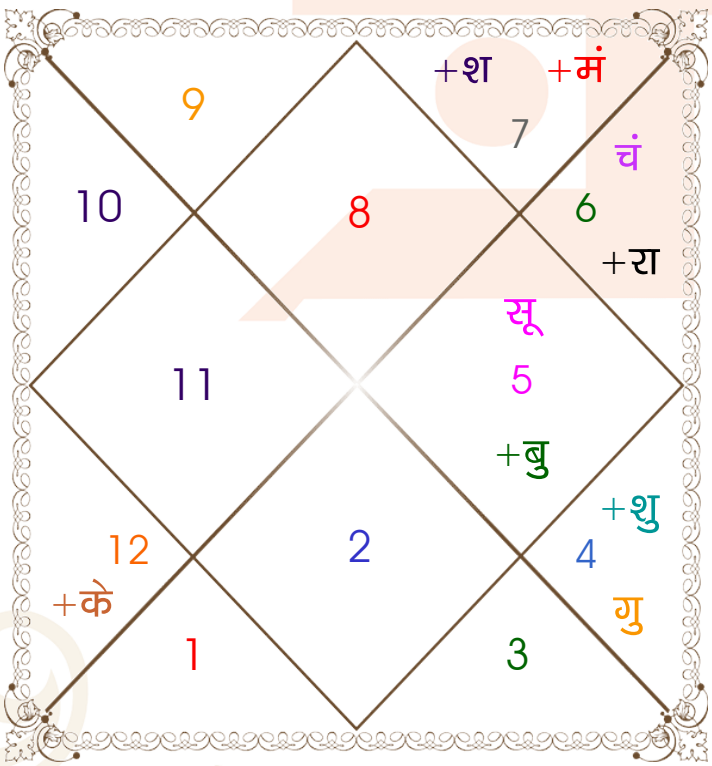

चन्द्र कुंडली

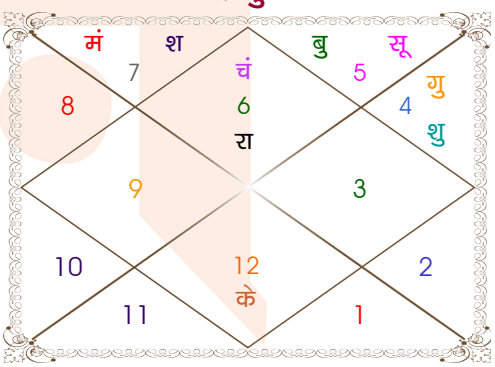

नवमांश कुंडली

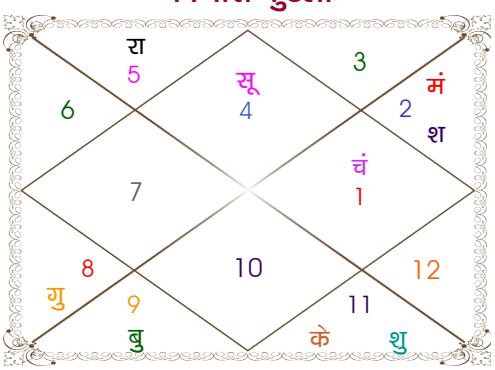

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 10 मास 5 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/08/2014		03/07/2024		04/07/2031		03/07/2049		03/07/2065	
03/07/2024		04/07/2031		03/07/2049		03/07/2065		03/07/2084	
चंद्र	04/05/2015	मंगल	29/11/2024	राहु	16/03/2034	गुरु	21/08/2051	शनि	06/07/2068
मंगल	03/12/2015	राहु	18/12/2025	गुरु	09/08/2036	शनि	04/03/2054	बुध	16/03/2071
राहु	03/06/2017	गुरु	24/11/2026	शनि	15/06/2039	बुध	09/06/2056	केतु	24/04/2072
गुरु	03/10/2018	शनि	02/01/2028	बुध	02/01/2042	केतु	16/05/2057	शुक्र	25/06/2075
शनि	03/05/2020	बुध	30/12/2028	केतु	20/01/2043	शुक्र	15/01/2060	सूर्य	06/06/2076
बुध	03/10/2021	केतु	28/05/2029	शुक्र	20/01/2046	सूर्य	02/11/2060	चंद्र	05/01/2078
केतु	04/05/2022	शुक्र	28/07/2030	सूर्य	15/12/2046	चंद्र	04/03/2062	मंगल	14/02/2079
शुक्र	02/01/2024	सूर्य	03/12/2030	चंद्र	15/06/2048	मंगल	08/02/2063	राहु	21/12/2081
सूर्य	03/07/2024	चंद्र	04/07/2031	मंगल	03/07/2049	राहु	03/07/2065	गुरु	03/07/2084

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/07/2084		04/07/2101		04/07/2108		04/07/2128		04/07/2134	
04/07/2101		04/07/2108		04/07/2128		04/07/2134		00/00/0000	
बुध	30/11/2086	केतु	30/11/2101	शुक्र	03/11/2111	सूर्य	22/10/2128	चंद्र	29/08/2134
केतु	27/11/2087	शुक्र	30/01/2103	सूर्य	03/11/2112	चंद्र	22/04/2129		00/00/0000
शुक्र	27/09/2090	सूर्य	07/06/2103	चंद्र	04/07/2114	मंगल	28/08/2129		00/00/0000
सूर्य	03/08/2091	चंद्र	06/01/2104	मंगल	04/09/2115	राहु	23/07/2130		00/00/0000
चंद्र	02/01/2093	मंगल	04/06/2104	राहु	03/09/2118	गुरु	11/05/2131		00/00/0000
मंगल	30/12/2093	राहु	22/06/2105	गुरु	04/05/2121	शनि	22/04/2132		00/00/0000
राहु	18/07/2096	गुरु	29/05/2106	शनि	04/07/2124	बुध	26/02/2133		00/00/0000
गुरु	24/10/2098	शनि	08/07/2107	बुध	05/05/2127	केतु	04/07/2133		00/00/0000
शनि	04/07/2101	बुध	04/07/2108	केतु	04/07/2128	शुक्र	04/07/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।